



कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-11

अंक-318

शुक्रवार, 22 दिसम्बर 2023

नगर संस्करण

लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखण्ड में प्रसारित

मूल्य- ₹ 3.00

पृष्ठ-12

राज्य सरकारों को भी पत्रकारों की मदद करनी चाहिए। कोंडिंड के समय पीडिंड परिजनों को पांच लाख रुपए की मदद दी गई थी। नवी व्यवस्था में पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन को सालाना विवरण अपने घर से ही अपने लाइन करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

अनुराग सिंह

देवेगौड़ एवं उनके पुत्रों ने मोदी से की मुलाकात

11

शराब घोटाला घमंडिया गठबंधन को जोड़ने वाला फ्रेंचिलो: माजपा

12

संक्षेप

रिपोर्ट मिलते ही यूसीसी
लागू होगा : धामी
देहरादून। मुख्यमंत्री पुकार सिंह धामी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञा है। युरुवार को जब संवाददाताओं द्वारा उत्तर समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यूसीसी की कमेटी हमें शीर्षी ही अपनी रिपोर्ट दी। अगले महीने प्रियोरिटी मिलते ही उसको लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति के लिए नियम कानून समान है। किसी के लिए विशेष और किसी के लिए शेष नहीं हो। यह समय की मांग है। समान नागरिक संहिता लागू करने से सबके लिए एक समान व्यवस्था लागू हो। जाएगी जो लोकतंत्र में सार्वाधिक महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रारंभ से ही समान नागरिक संहिता की पक्षधर रही है। हमारे लिए कोई छोटा नहीं कोई बड़ा नहीं, हर व्यक्ति बराबर है, इसीलिए हमने समान नागरिक संहिता के लिए व्यवस्था की ही अपने महीने प्रियोरिटी मिलते ही यूसीसी लागू हो जाएगा।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख के साथ अमेरिकी विदेश मंत्री की मुलाकात से भारत विंतित नहीं दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुरीर की अमेरिकी की यात्रा एवं विदेश मंत्री एटोनी विल्कन एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि देशों को आतंकवाद के मुकाबले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रकार डॉ. अरिद्वाम बाहरी ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान के सेना प्रमुख की यात्रा को बारे में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

श्री मोदी ने भारत के पारसी समुद्राय की प्रगति का उल्लेख किया जो भारत में रह रहा 'एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।' कांगड़ीशेल टाइम्स ने लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित

श्री मोदी ने भारत के पारसी समुद्राय की प्रगति का उल्लेख किया जो भारत में रह रहा

'एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।' कांगड़ीशेल टाइम्स ने लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में पूछे गए सवालों का उत्तर दिया।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।' कांगड़ीशेल टाइम्स के साथ लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

पारसी समुद्राय की प्रगति का उल्लेख किया जाए है। और ऐसे आरोपों के संबंध में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।' कांगड़ीशेल टाइम्स के साथ लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में पूछे गए सवालों का उत्तर दिया।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।'

कांगड़ीशेल टाइम्स के साथ लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।'

कांगड़ीशेल टाइम्स के साथ लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक सुखम अत्पसंख्यक समुद्राय है। श्री मोदी ने कहा, 'दुनिया में दूसरी जगहों पर दर्शन उत्तीर्ण झेलने के बाद उन्हें भारत में सुकृत जगज मिली जहाँ वे खुशी से जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुद्राय का नाम लिए बैराक कहा, 'यह दर्शन है कि भारतीय समाज धार्मिक अत्पसंख्यकों के प्रति कोई भेदभाव नहीं करता है।'

कांगड़ीशेल टाइम्स के साथ लिखा है कि श्री मोदी ने इस सवाल पर ठहाका लगाया कि उनकी सरकार अपने आलोचकों के प्रति एक बड़ा अप्रत्यक्ष है।

भारतीय एजेंसियों के हाथ होने के आरोपों के बारे में कुछ बुनियादी प्रश्न भी हैं।

श्री मोदी ने कहा, उनकी (आलोचकों की) इस तह तक जो बातें न केवल भारत की जनता की सुरक्षा-बूझ का अप्राप्य सवाल हैं। वे जी रहे हैं और प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक स

